Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

APF–2008

M.A. (Final) Examination, 2022

HINDI

Paper - IV **(घ)**

(नई कविता)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) प्रयोगवाद की किन्हीं **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

   (ii) अज्ञेय की कविता 'उलाहना' का मूल भाव लिखिए।

   (iii) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविता 'अँधेरे का मुसाविर' का वैशिष्ट्य बताइए।

(iv) सर्वेश्वर के कविता की शिल्प योजना पर टिप्पणी लिखिए।

(v) केदारनाथ सिंह के किन्हीं **दो** काव्य संग्रहों के नाम लिखिए।

(vi) 'बनारस' कविता में केदारनाथ सिंह ने किस पर बात की है ?

(vii) शमशेर का जन्म कब और कहाँ हुआ ? परिचय दीजिए।

(viii) शमशेर किस दर्शन से प्रभावित थे ? स्पष्ट कीजिए।

(ix) पत्रकार के रूप में रघुवीर सहाय का व्यक्तित्व कैसा था ? स्पष्ट कीजिए।

(x) रघुवीर सहाय के काव्य संकलनों के नाम लिखिए।

खण्ड–ब

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

2. यह सूरज का जपा-फूल
नैवेद्य चढ़ चला
सागर-हाथों
अम्बा तिरमिरायी को
रुको साँस-भर,
फिर मैं यह पूजा-क्षण
तुमको दे दूँगा।

3. पक्षधर और चिरन्तन,
हमें लड़ना है निरन्तर,
आमरण अविराम-
पर सर्वदा जीवन के लिए
अपनी हर साँस के साथ
पनपते इस विश्वास के साथ
कि हर दूसरे की हर साँस को
हम दिला सकेंगे और अधिक सहजता,
अनाकुल उन्मुक्ति और गहरा उल्लास

4. अपनी दुर्बलता का
मुझको अभिमान रहे,
अपनी सीमाओं का
नित मुझको ध्यान रहे।

हर क्षण यह जान सकूँ क्या
कितना सुख पाना है, कितना
अपने सुख-दुख की प्रभु
इतनी पहचान रहे
अपनी दुर्बलता का
मुझको अभिमान रहे।

5. चोंच वह खोलती नहीं,
फुदकती-बोलती नहीं,
हिलती है न डुलती,
चुपचाप घुलती है।
बताती न नाम है,
करती न काम है,
फिर भी सुबह को
बना देती शाम है।

6. चाँद की कुछ आदतें हैं।
एक तो वह पूर्णिमा के दिन बड़ा-सा निकल आता है
बड़ा नकली (असल शायद वही हो)
दूसरी यह, नीम की सूखी टहनियों से लटककर।
टँगा रहता है (अजब चिमगादड़ी आदत!)

7. द्रव्य नहीं कुछ मेरे पास
फिर भी मैं करता हूँ प्यार
रूप नहीं कुछ मेरे पास
फिर भी मैं करता हूँ प्यार

सांसारिक व्यवहार न ज्ञान

फिर भी मैं करता हूँ प्यार

शक्ति न यौवन पर अभिमान

फिर भी मैं करता हूँ प्यार

कुशल कलाविद् हूँ न प्रवीण

फिर भी मैं करता हूँ प्यार

8. ज़माना तुम हो—जहाँ तुम हो—ज़िंदगी तुम हो,
जो अपनी बात पे कायम रहो, तो क्योंकर हो !
हमारा बस है कोई, आह की, हुए ख़ामोश,
मगर जो ये भी सहारा न हो तो क्योंकर हो !
हरेक तरह वही आरजू बनें मेरी
ये जिंदगी का बहाना न हो, तो क्योंकर हो !
ये सब सही है मगर ऐ मेरे दिले-नाशाद,
कोई भी गम के सिवा दोस्त हो तो क्योंकर हो !

खण्ड–स

नोट :– निम्नलिखित चार में से किन्ही **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

9. अज्ञेय की कविताओं में नूतन सौन्दर्य बोध और प्रकृति प्रेम को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

10. शमशेर बहादुर सिंह की कविताओं में सौन्दर्यानुभूति-भावानुभूति का विस्तार से वर्णन कीजिए।

11. नई कविता की पृष्ठभूमि में सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की भूमिका और उनकी कविताओं में काव्य संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

12. केदारनाथ सिंह के काव्य में निहित भाषागत और शिल्पगत सौंदर्य का सोदाहरण वर्णन कीजिए।